भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1801

उत्तर देने की तारीख 29.07.2021

जनजातीय क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना

1801. श्री गुमान सिंह दामोर:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश के जनजातीय बहुल जिलों में उद्योग स्थापित करने के लिए सरकार की क्या योजना है;

(ख) क्या सरकार की योजना के अनुसार अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में उद्योग स्थापित किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या जनजातीय बहुल जिला अलीराजपुर को 'उद्योग रहित क्षेत्र' के रूप में वर्गीकृत किया गया है;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार इस जिले में उद्योग स्थापित करने की किसी योजना पर विचार कर रही है; और

(ङ) यदि नहीं, तो क्या सरकार का ऐसी कोई योजना तैयार करने का विचार है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

(श्री नारायण राणे)

(क) मंत्रालय गैर-कृषि क्षेत्र में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से जनजातीय प्रभुत्व वाले जिलों सहित देश में रोज़गार सृजन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर नोडल एजेंसी के रूप में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के माध्यम से वर्ष 2008-09 से **प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी)** का कार्यान्वयन कर रहा है।

पीएमईजीपी के अंतर्गत, सामान्य वर्ग के लाभार्थी ग्रामीण क्षेत्रों में परियोजना लागत की 25% और शहरी क्षेत्रों में 15% मार्जिन मनी सब्सिडी प्राप्त कर सकते हैं। विशेष श्रेणियों के लाभार्थी जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिलाएं, भूत-पूर्व सैनिक, दिव्यांग जन, पूर्वोत्तर क्षेत्र, पहाड़ी और सीमावर्ती क्षेत्रों आदि, ग्रामीण क्षेत्रों में 35% और शहरी क्षेत्रों में 25% की मार्जिन मनी सब्सिडी का प्रावधान है। इस स्कीम की शुरुआत से दिनांक 30 जून, 2021 तक, लगभग 7 लाख सूक्ष्म उद्यमों की सहायता की गई है जिससे अनुमानतः 57 लाख व्यक्तियों को रोज़गार प्राप्त करने में सहायता मिली है।

(ख): पीएमईजीपी के अंतर्गत विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान अनुसूचित जनजाति (अ.ज.जा) द्वारा स्थापित की गई सूक्ष्म इकायों का ब्यौरा अनुबंध पर दिया गया है।

(ग) से (**ड**): जी, नहीं। पीएमईजीपी के अंतर्गत, विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में सहायता प्राप्त **सूक्ष्म** इकाइयों की संख्या निम्नानुसार है:

वर्ष	स्थापित की गई इकाइयों की संख्या
2018-19	95
2019-20	66
2020-21	111
2021-22 (दिनांक 23.07.2021 की स्थिति के अनुसार)	7
कुल	**279**

इसके अतिरिक्त वित्त वर्ष 2021-22 के लिए, अलीराजपुर जिले में 122 सूक्ष्म इकाइयों की स्थापना के लिए पीएमईजीपी के अंतर्गत अंनतिम लक्ष्य **निर्धारित किए गए हैं।**

***

अनुबंध

दिनांक 29.07.2021 को उत्तर हेतु लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1801 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

पीएमईजीपी के अंतर्गत् विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष (दिनांक 16.07.2021 तक) के दौरान अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों द्वारा पीएमईजीपी के अंतर्गत् स्थापित सूक्ष्म इकाइयों# की संख्या

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22 (16.07.2021)
I. उत्तरी ज़ोन					
1	जम्मू और कश्मीर	565	386	344	27
2	लद्दाख यूटी	0	0	0	68
3	हिमाचल प्रदेश	137	117	106	20
4	पंजाब	1	3	1	0
5	यूटी चंडीगढ़	0	0	0	0
6	हरियाणा	0	0	3	1
7	दिल्ली	0	0	1	0
8	राजस्थान	222	266	226	32
	कुल-I	**925**	**772**	**681**	**148**
II.केंद्रीय ज़ोन					
9	उत्तराखंड	62	52	56	7
10	उत्तर प्रदेश	8	18	27	5
11	छत्तीसगढ़	338	323	273	42
12	मध्य प्रदेश	143	78	256	41
	कुल -II	**551**	**471**	**612**	**95**
III. पूर्वोत्तर ज़ोन					
13	सिक्किम	27	27	25	6
14	अरुणाचल प्रदेश	277	158	89	29
15	नागालैंड	1204	1102	739	277
16	मणिपुर	602	610	547	148
17	मिज़ोरम	1117	756	805	113
18	त्रिपुरा	205	197	192	73
19	मेघालय	337	348	314	80
20	असम	739	421	353	93
	कुल -III	**4508**	**3619**	**3064**	**819**
IV. पूर्वी ज़ोन					
21	बिहार	68	51	61	3
22	पश्चिम बंगाल	28	22	21	3
23	झारखंड	160	149	130	18
24	ओडिशा	151	122	115	25
25	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	18	2	5	7
	कुल -IV	**425**	**346**	**332**	**56**

V. पश्चिम ज़ोन					
26	गुज़रात*	139	122	142	46
27	महाराष्ट्र**	183	112	98	22
28	गोवा	3	2	4	1
	कुल - V	**325**	**236**	**244**	**69**
VI. दक्षिण ज़ोन					
29	आंध्र प्रदेश	77	108	87	11
30	तेलंगाना	189	268	235	52
31	कर्नाटक	204	169	188	46
32	लक्षदीप	0	0	2	1
33	केरल	26	12	6	10
34	तमिलनाडू	74	20	42	10
35	पुदुचेरी	2	0	0	0
	कुल -VI	**572**	**577**	**560**	**130**
	कुल योग	**7306**	**6021**	**5493**	**1317**

* दमन और दीव सहित ** दादरा और नागर हवेली सहित

वर्ष-वार स्थापित की गई इकाइयों के आंकड़े उन इकाइयों को दर्शाते हैं जिनके लिए संबंधित वित्त वर्ष में बैकों को मार्जिन मनी संवितरित हुई है।